www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 261 | जौनपुर मंगलवार, 12 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

चुनाव खत्म होते ही संकट याद आ गया : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल, डीजल और गैस का कम इस्तेमाल करने की अपील पर तंज कसते हुए भाजपा सरकार को देश के लिए सबसे बड़ा श्संकटश बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होते ही सरकार को आर्थिक हालात और पाबंदियों की याद आ गई, जबकि चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं ने जमकर संसाधनों का इस्तेमाल किया। सपा प्रमुख ने महंगाई, गिरते रुपये, बेरोजगारी और विदेश नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है और जनता अब इसका जवाब देने के लिए तैयार है।पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्चुनाव खत्म होते ही, श्संकटश याद आ गया। दरअसल देश के लिए श्संकटश सिर्फ एक है और उसका नाम हैरू श्भाजपाश। इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्थाश कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गई है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है। उन्होंने लिखा, श्सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है।

मध्य प्रदेश में स्कूलों की दयनीय स्थिति पर कांग्रेस ने चिंता जताई

भोपाल, (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने रविवार को मध्य प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए नीति आयोग की नवीनतम रिपोर्ट का हवाला दिया और राज्य की शिक्षा व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को प्रमाणित किया। भोपाल में बोलते हुए सिंह ने कहा कि रिपोर्ट के निष्कर्षों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के श्अभ्युदय मध्य प्रदेशश के दावों की पोल खोल दी है।स्थिति को चिंताजनक बताते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के युग में भी मध्य प्रदेश के लगभग 13,500 स्कूल बिना बिजली के चल रहे हैं, जिससे कक्षाएं पूरी तरह अंधेरे में डूबी रहती हैं। सिंह ने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर भी चिंता व्यक्त की और बताया कि राज्य के लगभग 2,000 स्कूलों में छात्राओं के लिए शौचालय नहीं हैं।उनके अनुसार, राज्य भर के स्कूलों में 52,000 से अधिक पद रिक्त हैं, जिनमें प्राथमिक विद्यालयों में 45,000 से अधिक शिक्षण पद शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में 7,000 से अधिक स्कूल केवल एक शिक्षक के साथ चल रहे हैं। सिंह ने सरकार से जवाबदेही की मांग की और सवाल उठाया कि जब स्कूलों में कर्मचारियों और उपकरणों की कमी बनी हुई है। तो शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित भारी धनराशि कहां खर्च की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि लगभग 33 लाख बच्चों ने प्राथमिक शिक्षा बीच में ही छोड़ दी है।

एक साल तक सोना न खरीदें, ईंधन बचाएं, मेड इन इंडिया अपनाएं : पीएम मोदी

हैदराबाद, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल–पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने देशभक्ति की परिभाषा को व्यापक बताते हुए कहा कि यह केवल

देश के लिए बलिदान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि कठिन समय में अनुशासित और जिम्मेदार जीवन जीना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर–जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही, उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। निजी वाहनों के इस्तेमाल के दौरान कार–पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। प्रधानमंत्री ने कोविड–19 महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क–फ्रॉम–होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं।

नबान्न से शुरू होगा कामकाज, सीएम शुभेंदु ले सकते हैं बड़े फैसले

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद सोमवार को राज्य की नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक होने जा रही है। राज्य के नौवें मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की यह पहली अहम प्रशासनिक कवायद होगी। बैठक हावड़ा जिले के मंदरतला स्थित मौजूदा राज्य सचिवालय नबान्न में आयोजित की जाएगी। नबान्न की इमारत मूल रूप से वाममोर्चा शासन के दौरान गारमेंट्स हब के तौर पर तैयार की गई थी। लेकिन 2011 में सत्ता में आने के दो साल बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2013 में राज्य सचिवालय को राइटर्स बिल्डिंग से नबान्न शिफ्ट करने का फैसला लिया था। बताया जाता है कि यह निर्णय उन्हें उनके निजी ज्योतिषी की सलाह पर लिया गया था। इसके बाद 5 अक्तूबर 2013 से राज्य सचिवालय का कामकाज नबान्न से शुरू हुआ। अब भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य सचिवालय को फिर से ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग में वापस ले जाने का निर्णय लिया गया है। राइटर्स बिल्डिंग पश्चिम बंगाल की राजनीतिक और

प्रशासनिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र रही है। ममता बनर्जी से पहले राज्य के सभी मुख्यमंत्री, प्रफुल्ल चंद्र घोष से लेकर बुद्धदेव भट्टाचार्य तक, यहीं से शासन चलाते रहे थे। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का दिन सुबह 10:30 बजे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य के साथ बैठक से शुरू होगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु विधानसभा में विधायक के तौर पर शपथ ली

चेन्नई , (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के एक दिन बाद टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा के पहले सत्र के दौरान विधानसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। नए चुने गए विधायकों के लिए शपथ ग्रहण समारोह विधानसभा हॉल में प्रोटेम स्पीकर करुपैया की देखरेख में हुआ, जिन्होंने सदस्यों को शपथ दिलाई। इस कार्यवाही के साथ ही हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद नई विधानसभा की औपचारिक शुरुआत हो गई। विजय ने पेरम्बूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक

के तौर पर शपथ ली। उन्होंने चुनावों में पेरम्बूर और त्रिची ईस्ट, दोनों सीटों से जीत हासिल करने के बाद पेरम्बूर सीट को ही अपने पास रखने का फैसला किया था। पेरम्बूर से ही प्रतिनिधि के तौर पर बने रहने के अपने फैसले के बाद उन्होंने त्रिची ईस्ट सीट से इस्तीफा दे दिया, जिससे वहां उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। विजय के शपथ लेने के तुरंत बाद टीवीके के वरिष्ठ नेता एन. आनंद ने टी नगर क्षेत्र से विधायक के तौर पर शपथ ली जबकि आधव अर्जुन ने विल्लीवाक्कम क्षेत्र से विधायक के तौर पर शपथ ली। विधानसभा में काफी उत्साह का माहौल था क्योंकि नए चुने गए सदस्य पहली बार सदन में आए थे। टीवीके ने पहले ही विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर सत्ता हासिल कर ली। टीवीके 234 सदस्यों वाले सदन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और बाद में अपने गठबंधन सहयोगियों के समर्थन से सरकार बनाई। कार्यवाही के दौरान सदन को संबोधित करते हुए ।

हर राज्य में प्रबंधन टीमें बनाएं, न हो कोई नुकसान – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक उच्चस्तरीय बैठक में देश में संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने आपदा प्रबंधन में हताहतों की संख्या शून्य रखने का लक्ष्य हासिल करने की कोशिश किए जाने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि देश के हर राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन टीमों का गठन किया जाए। उन्होंने बैठक में कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में 30 जोखिम भरी झीलों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया

जाए। केंद्र और राज्यों के स्तर पर बाढ़ के पूर्वानुमानों के लिए एक एकीकृत व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन टीमों (एफसीएमटी) का गठन कर इन्हें सक्रिय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदाओं को लेकर जारी एनडीएमए के दिशानिर्देशों के जरिये बेहतर जागरूकता और समग्र दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के पालन की समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एनडीएमए को अध्ययन करना चाहिए कि जंगलों में लगने वाली आग, लू और बाढ़ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के निर्देशों तथा एनडीएमए के दिशानिर्देशों का कितने राज्य पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमें शून्य हताहत आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण को अमल में लाने पर काम करना होगा। अमित शाह ने कहा कि जल संचय और चेक डैम परियोजनाओं के जरिये जल संरक्षण में सुधार की और अधिक संभावनाओं को तलाशा जाए। हमारा उद्देश्य लू से कृषि क्षेत्र को न्यूनतम नुकसान हो, साथ ही नदियों पर चेक डैम बना कर जल संरक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएएमपीए फंड का इस्तेमाल पर्यावरण संतुलन के लिए किए जा रहे प्रयासों को बहुआयामी बनाने के लिए किया जाना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के मिजाज में आ रहे बदलावों और उनसे उत्पन्न होने वाली आपदा संबंधी बढ़ती ।

जुलाई से लागू होगी वीबी-जी राम जी योजना, 125 दिन रोजगार की गारंटी : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 2025 के वीबी–जी राम जी कानून को लागू करने की घोषणा की है। सरकार ने एक जुलाई 2026 को वह तारीख तय की है, जिस दिन इस कानून के प्रावधान भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होंगे। इस कानून के तहत हर पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के अकुशल मजदूरी आधारित रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाएगी। पहले मनरेगा के तहत 100 दिनों का रोजगार मिलता था। यदि रोजगार मांगने के 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो संबंधित श्रमिक बेरोजगारी भत्ते के हकदार होंगे। अधिनियम में मजदूरी

का भुगतान साप्ताहिक आधार पर या मस्टर रोल बंद होने के 15 दिनों के भीतर करने का प्रावधान है। भुगतान सीधे बैंक या डाकघर खातों में डीबीटी के जरिए किया जाएगा। यदि मजदूरी भुगतान में देरी होती है, तो श्रमिकों को प्रति दिन बकाया मजदूरी का 0.05 प्रतिशत मुआवजा भी मिलेगा। नई व्यवस्था में कार्यस्थलों पर उपस्थिति फेस रिकग्निशन आधारित प्रणाली से दर्ज की जाएगी। हालांकि, नेटवर्क या तकनीकी समस्या की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी। मौजूदा ई–केवाईसी सत्यापित मनरेगा जॉब कार्ड तब तक मान्य रहेंगे, जब तक नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी नहीं हो जाते। इस अधिनियम में ग्राम पंचायतों को केंद्र में रखा गया है। परिवारों का पंजीकरण, रोजगार आवेदन स्वीकार करना, कार्यों का निष्पादन, रिकॉर्ड संधारण और विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों की होगी। ग्राम सभाओं की भागीदारी से स्थानीय जरूरतों के अनुसार योजनाएं बनाई जाएंगी। अधिनियम के तहत जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका संबंधी ढांचा और चरम मौसम से बचाव जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में कार्य किए जा सकेंगे। पीएम आवास योजना–ग्रामीणके कार्यों को भी मजदूरी सहायता के लिए शामिल किया जा सकेगा।

मंत्रिमंडल का सकारात्मक असर जनता में दिखना भी चाहिए : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में किए गए मंत्रिमंडल विस्तार पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इसका असर लोगों के जीवन पर दिखना भी चाहिए। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि वैसे तो मंत्रिमण्डल का घटाना–बढ़ाना व विस्तार आदि सत्ताधारी पार्टी का आन्तरिक राजनीतिक चिन्तन का मामला ज्यादा होता है और इसीलिये उत्तर प्रदेश मंत्रिमण्डल के कल हुये विस्तार के बारे में कुछ भी टीका–टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, किन्तु कुल मिलाकर इसका अच्छा प्रभाव आमजन के हित के साथ–साथ खघसकर सर्वसमाज के गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं के जीवन की बेहतरी एवं महिला सुरक्षा–सम्मान आदि पर पड़ता हुआ दिखना भी जरूर चाहिये, वरना लोग इसको राजनीतिक जुगाड़ तथा सरकारी संसाधन पर बढ़ा हुआ बोझ ही मान लेंगे। इतना ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्गों में भी विशेषकर कमजोर तबकों के जान, माल व मजहब की सुरक्षा व उन्हें न्याय मिलता हुआ महसूस होने पर

सरकार व उनके सभी मंत्रियों के कार्यकलापों में परिलक्षित भी हो तो यह उचित होगा, जो कि सरकारों व उनके मंत्रियों की पहली संवैधानिक जिम्मेदारी बनती है। इसी क्रम में अभी हाल ही में राजधानी लखनऊ में ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले भाजपा के एक युवा नेता पर जानलेवा हमला होने से हर तरफ एक बार फिर से कानून–व्यवस्था के साथ–साथ इस बात पर भी चर्चा शुरू हो गयी है कि यूपी में ब्राह्मण समाज यहां केवल उपेक्षित ही नहीं बल्कि काफी असुरक्षित भी है। जो अति–चिन्तनीय, जबकि बी.एस.पी. की रही ।

सोमनाथ मंदिर की तरह भारत भी हर चुनौती के बाद और अधिक मजबूत होकर उभरा है : पीयूष गोयल

सोमनाथ। सोमनाथ अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के एक लेख का जिक्र करते हुए कहा कि सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की शुरुआती और सबसे बड़ी अभिव्यक्तियों में से एक था। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि तमाम राजनीतिक विरोध के बावजूद मंदिर का

पुनर्निर्माण और उद्घाटन हुआ, जिसने भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय गौरव की नींव रखी। पीयूष गोयल ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की वर्षगांठ कुछ ही दिनों के अंतर पर आती हैं और दोनों घटनाएं भारत की मजबूती, धैर्य और आत्मविश्वास को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि जैसे सोमनाथ मंदिर हर हमले के बाद फिर से अपनी भव्यता के साथ खड़ा हुआ, उसी तरह भारत भी हर चुनौती के बाद और अधिक मजबूत बनकर उभरा है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो आधुनिकता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम पेश करता है। अपने लेख में पीयूष गोयल ने कहा कि 75 वर्ष पहले सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा भारत की सभ्यतागत शक्ति और सांस्कृतिक गौरव के पुनर्जागरण का ऐतिहासिक क्षण था। यह घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन की मूल भावना को भी मजबूत करती है।

140 करोड़ भारतीयों के सम्मान का प्रतीक है ऑपरेशन सिंदूर : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आज दिल्ली सरकार द्वारा कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में "शौर्य दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम में भाग लेकर भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री श्री कपिल मिश्रा सहित बड़ी संख्या में नागरिक, पूर्व सैनिक, युवा एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायक श्री आशीष कुलकर्णी ने अपने ओजपूर्ण और देशभक्ति से सराबोर गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे कार्यक्रम को राष्ट्रभक्ति के भाव से अभिभूत कर

दिया। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के उद्घोष लगातार गूंजते रहे तथा पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि "शौर्य दिवस" भारतीय सेना के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने आतंकवाद और उसके आकाओं को करारा जवाब देकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगा। मुख्यमंत्री ने 22 अप्रैल के आतंकी हमले को अत्यंत दर्दनाक बताते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों के साथ हुई क्रूरता ने पूरे देश को झकझोर दिया था और हर भारतीय के भीतर आक्रोश भर दिया था। उन्होंने कहा कि देश की बहनों और परिवारों की पीड़ा ने पूरे राष्ट्र को एकजुट कर दिया और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दृढ़ संकल्प के साथ आतंकवादियों को करारा जवाब दिया गया।

संपादकीय

भाजपा क्षमता अब कमजोर

विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश है कि जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। मगर प्रधानमंत्री इससे बेखबर नजर आए। नतीजतन, राजनीतिक गतिरोध अब और बढ़ेगा। अपने 12 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी विधायी पराजय का सामना करने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार आत्म–निरीक्षण करे, तो वह विश्वास, पारदर्शिता, और साफगोई का महत्त्व बेहतर ढंग से समझ सकती है। मकसद परिसीमन था, तो उस पर महिला आरक्षण का मुलम्मा चढ़ाने क्या जरूरत थी? विपक्ष चकमा खा जाएगा या महिला विरोधी ना दिखने की जुगत में लोकसभा सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी को अपना समर्थन दे देगा, ऐसी सोच रखना अपनी बुद्धि पर अत्यधिक यकीन ही माना जाएगा। दांव शायद भी था कि चूंकि उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें सबसे ज्यादा बढ़ने वाली थीं, इसलिए समाजवादी पार्टी अपनी क्षेत्रीय गणना के तहत विपक्षी खेमे से टूट जाएगी। मगर ऐसी सोच साम–दाम– दंड–भेद के नजरिए को जाहिर करती हैं। अब साफ है कि ऐसे नजरिये के कामयाब होते रहने की समयसीमा होती है। बढ़ी आबादी को देखते हुए लोकसभा की सदस्य संख्या में बढ़ोतरी अतार्किक नहीं है। ना ही सैद्धांतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया जा सकता है। मगर मुद्दा वो संदर्भ है, जिसमें ये पहल की गई। भाजपा सरकार के व्यवहार एवं नीतियों से राजनीतिक वर्ग में गहरा अविश्वास पैदा हुआ है। संवाद के मंचों को खत्म करना, राज्यपालों के जरिए गैर–भाजपा सरकारों को परेशान करना, मजहब– भाषा आधारित विभाजक एजेंडे को हवा देना, विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग आदि जैसी अनेक प्रवृत्तियां हैं, जिनका साया लोकतंत्र के मूलभूत तकाजों पर पड़ा है। इसका ताजा शिकार परिसीमन की विधायी पहल हुई। बेहतर होता राष्ट्र के नाम प्रसारण में विपक्ष को कोसने के बजाय प्रधानमंत्री इन प्रश्नों पर आत्म–मंथन करते दिखते। नरेंद्र मोदी इस बार विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश समझने की कोशिश करते। संदेश यह है कि एजेंडा सेट करने और जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। विपक्ष का आकलन संभवतरू यह है कि इन तरीकों से भाजपा जितना ध्रुवीकरण कर सकती थी, कर चुकी। बहरहाल, प्रधानमंत्री इससे बेखर नजर आए। नतीजतन, गतिरोध और बढ़ेगा। आगे का रास्ता सिर्फ संवाद से संभव है। मगर उसके लिए कम–से–कम इतनी ईमानदारी जरूरी होगी, जिससे दूसरे पक्ष में भरोसा पैदा हो।

जैसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भारतीय जनता पार्टी की श्रद्धांजलि

अजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल जीतकर जैसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दे दी है। 1953 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक स्व गुरु गोलवलकर के कहने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिल्ली में जनसंघ की स्थापना की थी , तत्कालीन समय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी हिंदू महासभाई थे और उन्होंने कश्मीर के मुद्दे पर नेहरू मंत्री परिषद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि गुरु गोलवलकर भारतीय राजनीति में संघ को नहीं भागीदार बनाना चाहते थे।गुरु गोलवलकर ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दीनदयाल उपाध्याय, सुंदर सिंह भंडारी, लालकृष्ण आडवाणी, बलराज माधोक, और अटल बिहारी वाजपेई को जनसंघ भेज दिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कोलकाता के एक धनाढ्य ब्राह्मण परिवार से थे। कश्मीर आंदोलन में वे नगर गिरफ्तार हो गए तब अटल बिहारी वाजपेई उनके साथ थे । संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई नगर अस्पताल में। तब से जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी का नारा था कि जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है । क्योंकि जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान में विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त था उसके मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री और झंडा, पृथक था और यह सब उसे संविधान का अनुच्छेद 370 तहत हासिल था।जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 05 अगस्त 2019 को संसद में बिल पारित कर विलोपित कर दिया है। अटल बिहारी वाजपेई कहते थे कि बंगाल जितने का सपना अधूरा रहा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी ने 04 मई 2026 को बंगाल विधानसभा चुनाव जीतकर यह सपना भी पूरा कर दिया है। विगत दिवस भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय पर आयोजित बंगाल विजय सभा में पोस्टर था जहां जन्मे मुखर्जी वह बंगाल हमारा है भारतीय जनता पार्टी के पथम राष्ट्रीय महासचिव दीनदयाल उपाध्याय का सपना रहा कि अंग,बंग, और कलिंग में भारतीय जनता पार्टी की सरकार हो (अंग)बिहार(बंग)बंगाल (कलिंग) ओडिशा आज सरकार है । अशोक सिंघल, लालकृष्ण आडवाणी का सपना था अयोध्या में भव्य रामलाला का मंदिर बने । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी नेताओं और पूर्वजों के सपने साकार कर दिए। उन्होंने अटलजी की एनडीए की परिकल्पना को साकार कर दिया और अब उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, असम उड़ीसा, नागालैंग, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश,गोवा, अंडमान निकोबार, दमन द्वीप, नगर हवेली, चंडीगढ़,में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

यह सब एक दिन नहीं हुआ बल्कि तीन पीढ़ियां खप गई।

1998 में अटल बिहारी वाजपेई जब प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने ममता बनर्जी को आगे कर तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौता कर चुनाव लड़ा तत्कालीन समय में पश्चिमी बंगाल में सीपीएम, सीपीई, आरएसपी लेफ्ट की सरकार थी।जैसा कि वही समय बिहार से नीतीश कुमार को आगे कर समता पार्टी से समझौता किया उसी समय भाजपा की बीजेडी के साथ ओडिशा में भी सरकार थी। तत्कालीन समय में केंद्रीय प्रचारक प्यारेलाल खंडेलवाल ने नवीन पटनायक से समझोता किया था। लेकिन नीतीश कुमार के अलावा सभी प्रयोग बंगाल, ओडिशा में असफल हो गए। ममता बनर्जी ने 2001 का चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा ।2006 के विधानसभा चुनाव में सीपीएम, सीपीई क्रस्क्क,ने ज्योति बसु को संन्यास दिला दिया तत्कालीन समय में बासुदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री बने ।2011 में ममता बनर्जी ने लेफ्ट पार्टियों की सरकार उखाड़ दिया ।2011से 2026 तक 15 वर्ष लगातार मुख्यमंत्री रही ममता बनर्जी ।2021 के चुनावों बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 77 सीट जीती और 40 फीसदी वोट मिले ।2026 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस को 206 सीट लाकर हरा दिया।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

उमेश

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान–पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे। पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं–बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई। झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज–टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त। झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चर्चाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी–विवाह मुंडन–जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने–चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम

बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट–बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी शृंखला की रोजी–रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है। पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।

भारत और मोदी के बारे में वाशिंगटन पोस्ट की धारणा बदली

नीरज

अमेरिका का प्रमुख समाचार–पत्र वाशिंगटन पोस्ट वैसे तो अक्सर भारत विरोधी लेख ही प्रकाशित करता है लेकिन अब उसने एक दुर्लभ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारत के बारे में सकारात्मक लेख प्रकाशित किया है। इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण ने भारत की राजनीति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की लगातार बढ़ती ताकत को लेकर दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा है। लंबे समय से पश्चिमी उदारवादी विचारधारा से जुड़े विश्लेषकों और भारत के विपक्षी दलों का मानना रहा कि भारत जैसी अत्यंत विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी मजबूत नेतृत्व वाली राजनीति की सीमाएं होंगी और अंततः ऐसी राजनीति का प्रभाव कमजोर पड़ जाएगा। लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों ने इस धारणा को गहरी चुनौती दी है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सफलता को इस विश्लेषण में ऐतिहासिक मोड़ के रूप में देखा गया है। पश्चिम बंगाल लंबे समय से क्षेत्रीय पहचान, सांस्कृतिक विशिष्टता और मजबूत स्थानीय राजनीतिक परंपराओं वाला राज्य माना जाता रहा है। यहां की राजनीति पर लंबे समय तक क्षेत्रीय दलों का प्रभाव रहा और माना जाता था कि उत्तर भारत केंद्रित तथा हिंदी भाषी छवि वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए यहां गहरी पैठ बनाना आसान नहीं होगा। लेकिन हालिया चुनावी परिणामों ने इस सोच को बदल दिया। विश्लेषण में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल की नेता ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी के विस्तार के सामने मजबूत दीवार माना जाता था। यह धारणा भी मजबूत थी कि भारत की भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता किसी एक राजनीतिक दल को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वस्वीकार्य बनने से रोकेगी। किंतु पश्चिम बंगाल में मिली सफलता ने यह संकेत दिया कि भारतीय जनता पार्टी अब उन क्षेत्रीय और सांस्कृतिक बाधाओं को भी पार कर रही है जिन्हें कभी उसके विस्तार की सीमा माना जाता था। लेख में भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक विस्तार को भी असाधारण बताया गया है। पार्टी की सदस्य संख्या को दुनिया में किसी भी राजनीतिक दल से अधिक बताया गया है। विश्लेषण के अनुसार पार्टी के लगभग चौदह करोड़ सदस्य हैं, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से भी अधिक हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मानव इतिहास में सबसे अधिक जनसमर्थन पाने वाले नेताओं में गिना गया है। विभिन्न वैश्विक सर्वेक्षणों में भी उनकी लोकप्रियता लंबे समय से शीर्ष पर बनी हुई है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहचान अब केवल भारत के लोकप्रिय नेता तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह वैश्विक राजनीति में भी एक प्रभावशाली और निर्णायक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। दुनिया के अनेक देशों में भारत की बढ़ती साख के पीछे मोदी की सक्रिय कूटनीति, मजबूत निर्णय क्षमता और वैश्विक मंचों पर भारत की स्पष्ट उपस्थिति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खास बात यह है कि ऐसे समय में जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश माने जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई बड़े वैश्विक नेताओं की लोकप्रियता में गिरावट दर्ज की जा रही है, वहीं प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता लगातार मजबूत होती दिखाई दे रही है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों और जनमत अध्ययनों में मोदी लंबे समय से दुनिया के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेताओं में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि भारत का नेतृत्व अब केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन और अंतरराष्ट्रीय विमर्श में भी उसकी निर्णायक भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। हम आपको यह भी बता दें कि वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित लेख में आलोचनाओं का भी विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद विश्लेषण का निष्कर्ष यह है कि केवल चुनावी प्रबंधन या संस्थागत प्रभाव के आधार पर भारतीय जनता पार्टी की सफलता को नहीं समझा जा सकता। पार्टी ने कुछ दशकों के भीतर सीमित प्रभाव वाले संगठन से देश के 21 राज्यों में सत्ता तक का सफर तय किया है। इसके विपरीत स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस पार्टी अब कुछ गिने चुने राज्यों तक सीमित होती दिखाई दे रही है। लेख में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच संगठनात्मक अंतर को भी प्रमुखता से रेखांकित किया गया है। कांग्रेस को जहां स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और अभिजात वर्ग का समर्थन मिला, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने जमीनी स्तर पर लंबे संगठनात्मक संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत की। पार्टी ने जाति, भाषा, क्षेत्र और धार्मिक परंपराओं से परे व्यापक सामाजिक गठबंधन तैयार किया। इस पूरे विस्तार के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। सौ वर्ष पुराने इस संगठन ने लाखों कार्यकर्ताओं और अनेक सामाजिक संगठनों के माध्यम से व्यापक वैचारिक ढांचा तैयार किया। विश्लेषण में कहा गया है कि श्रमिक संगठन, निजी विद्यालय नेटवर्क, छात्र संगठन और धार्मिक नेतृत्व से जुड़े अनेक मंचों के जरिये यह विचारधारा समाज के विभिन्न

हिस्सों तक पहुंची। इसी मजबूत सामाजिक नेटवर्क, रणनीतिक गठबंधनों और संगठनात्मक अनुशासन ने भारतीय जनता पार्टी के उभार की मजबूत नींव तैयार की। अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी भारत की बढ़ती शक्ति को इस राजनीतिक विस्तार से जोड़ा गया है। लेख में भारत को दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति और तेजी से उभरती आर्थिक ताकत बताया गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि एशिया में चीन के प्रभाव का संतुलन बनाने की क्षमता यदि किसी देश में है तो वह भारत है। ऐसे समय में भारतीय जनता पार्टी का लगातार विस्तार यह संकेत देता है कि आने वाले दशकों में भारत की दिशा और एशिया की शक्ति संरचना पर इस राजनीतिक विचारधारा का गहरा प्रभाव रह सकता है। विश्लेषण का अंतिम निष्कर्ष यही है कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचक जिस राजनीतिक गिरावट की लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल– परिवर्तन के साथ पुनर्जागरण

राजनाथ सिंह

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की यह पंक्तियाँ केवल एक कविता का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि समय–समय पर स्वतरूस्फूर्त और नवीन होने वाली बंगाल की आत्मा का आह्वान भी हैं। गुरुदेव भली–भाँति समझते थे कि बंगाल समय के साथ केवल बदलता नहीं है, बल्कि वह बार–बार बेहतर और नए रूप में पल्लवित होता है। गुरुदेव की जयंती पर गायी जाने वाली यह कविता नवजागरण और नवचेतना की प्रतीक है। यह प्रार्थना पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर, नए, उज्ज्वल और रचनात्मक विचारों के स्वागत का आह्वान भी है। यह एक सुखद संयोग है कि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती से कुछ दिन पहले ही, पश्चिम बंगाल कई दशकों के बाद नवजागरण का साक्षी बना है। 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। लेकिन भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनाव कभी सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं था। यह चुनाव इस महान भूमि के खोए हुए गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक अवसर थाकृएक ऐसा सभ्यतागत आह्वान, जो चुनावी समीकरणों और गणनाओं से कहीं ऊपर है। आज जब पश्चिम बंगाल की चेतना और गौरव का अरुणोदय हो रहा है, तो हमें इस बात को समझने की आवश्यकता है कि बंगाल क्या है और बंगाल की चेतना का पुनर्जागरण किसे कहा जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है बंगाल की शताब्दियों पुरानी चेतना को समझना और जानना। बंगाल सामाजिक चेतना का केंद्र होने से पहले ज्ञान और आध्यात्मिकता की पवित्र भूमि थी। 15वीं शताब्दी में नबद्वीप के गंगा तट पर एक युवा संन्यासी निमाई ने अपने कीर्तन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उस युवा सन्यासी को आज हम आदि संत चौतन्य महाप्रभु के नाम से जानते हैं। चौतन्य महाप्रभु के द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने के साथ–साथ सामाजिक समरसता का अभियान भी था। चौतन्य महाप्रभु ने जात–पात और ऊंच–नीच के बंधनों को तोड़ा। उनके द्वारा प्रवाहित वैष्णव परंपरा ने समाज में करुणा, समावेशिता, समता और सद्भावना को बल दिया। यही चेतना बाउल परंपरा में भी दिखाई दी। बाउल परंपरा के फकीरों की पहचान जाति, धर्म या कोई ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता की भावना थी। बाउल परंपरा के सबसे महान प्रवर्तक लालन फकीर थे। वे किस संप्रदाय से थे, यह प्रश्न कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। उन्होंने हिंदु समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था का भी विरोध किया तथा मुस्लिम समाज में होने वाले भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठायी। वे बंगाल की उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे, जिसमें सहिष्णुता और सह–अस्तित्व का भाव समाहित था। विगत तीन शताब्दियों में, बंगाल और बंगाल के लोगों ने केवल भारत के सामाजिक नवजागरण आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, बल्कि उसका नेतृत्व भी किया। जब समाज अपनी जड़ता, कुरीतियों और विकृत परंपराओं के बोझ तले दब चुका था, तब राजा राममोहन राय ने न तो परंपरा का समूल रूप से परित्याग किया और न ही तर्कशून्य तरीके से उसको उचित ठहराया। उन्होंने लोगों को आत्मबोध कराकर, समाज को भीतर से सुधारने का मार्ग चुना। उनका संदेश स्पष्ट था कृ समाज का पुनर्जन्म बाहर से नहीं, भीतर की चेतना से होता है। सती प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल समाज सुधार से जुड़ा आंदोलन नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनर्जीवित करने का एक तप था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने इस कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि मुक्ति का मंत्र बना दिया। उन्होंने शिक्षा को नारी शक्ति के उत्थान, सशक्तिकरण और मुक्ति का साधन बना दिया। बंगाल के ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् जैसा अमर मंत्र राष्ट्र को दिया। वंदे मातरम् वह गीत था जिसने ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को बल दिया और सदियों से सोये हुए देश को जगा दिया। यह गीत आज भी भारत की अंतर–आत्मा का स्वर है। बंगाल ने ही भारत की सबसे पहली महिला चिकित्सक डॉ. कादम्बिनी गांगुली जी को जन्म दिया, जिन्होंने सभी को, विशेषकर महिलाओं को, प्रेरित किया। बंगाल की ही धरती पर जन्मे, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। संभवतरू बंगाल की धरती ने जितनी भी विलक्षण प्रतिभाओं और महान लोगों को जन्म दिया, उनमें सबसे देदीप्यमान और प्रबुद्ध स्वामी विवेकानंद को कहा जा सकता है। शिकागो में दिया गया उनका भाषण इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने पूरे विश्व को वेदान्त और भारत के महान सभ्यतागत मूल्यों से परिचित कराया। यह सब बातें बंगाल की आत्मा की अभिव्यक्ति हैं। यही उसकी सनातन और शाश्वत पहचान रही है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल को इसी दृष्टि से देखते हैं। यह अतीत में लौटने की आकांक्षा नहीं है, न ही यह आधुनिकता की चाह में परायी सभ्यता की प्रतिछाया बनने की लालसा है। यह वह दृष्टि है जो बंगाल को पुनरूजागृत करना चाहती है ताकि वह अपने पूर्ण सामर्थ्य के बल पर फिर से अपने सर्वोच्च वैभव को प्राप्त कर सके। दुर्भाग्यवश, लंबे समय तक बंगाल के कुछ बुद्धिजीवियों और राजनीतिक वर्गों ने अपनी ही सांस्कृतिक विरासत को बोझ समझा और उसे हेय दृष्टि से देखा। सभ्यता, धर्म, संस्कृति और बंगाल की चेतना की बात करने वाले लोगों और उनकी आवाज को दबाया गया। परंपरा को पिछड़ापन समझा गया और आधुनिकता के नाम पर औपनिवेशिक मानसिकता को बढ़ावा दिया गया। परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल ने दशकों तक विकासहीनता, अराजकता, संस्थागत पतन और वैचारिक जड़ता का दंश झेला। बंगाल में हुआ यह चुनाव और परिवर्तन सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं हैं। बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है जिन्होंने बंगाल को उसके मूल से दूर किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव सत्ता की लड़ाई नहीं थी, बल्कि पश्चिम बंगाल के गौरव और विरासत को पुनर्स्थापित करने का यज्ञ था। बेलूर मठ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मिक जुड़ाव, स्वामी विवेकानंद के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा और सुशासन को श्सेवाय के रूप में देखने का उनका दृष्टिकोण कृ ये सभी इस बात के प्रमाण हैं कि श्प्रधान सेवकय बंगाल के विकास और पुनर्जागरण को एक पावन दायित्व मानते हैं, जिसे वे अपने श्प्रधान धर्मय और श्प्रधान कर्मय के रूप में निभा रहे हैं।

साइबर क्राइम टीम ने 74000– रुपये की धनराशि को कराया वापस

अयोध्या। थाना साइबर क्राइम टीम ने दूसरे की खाते में गलत ढंग से चले गए 74000 पीड़ित के खाते में वापस कराया। इस संबंध में साइबर क्राइम प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अरशद ने बताया कि पीड़ित का किसी दूसरे के खाते में गलती से 74000 चला गया था।इसकी सूचना उसने साइबर क्राइम कार्यालय को दिया।सूचना को गंभीरता से लेते हुए उसके पैसे को वापस कराया गया।

पुरानी रंजिश में मेहंदीगंज में युवक को मारी गोली, आरोपी वैभव बाजपेई गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बाजारखाला थाना क्षेत्र स्थित मेहंदीगंज में पुरानी रंजिश खूनी संघर्ष में बदल गई। देर रात एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। सूचना मिलते ही बाजारखाला पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी वैभव बाजपेई उर्फ कौस्तुभ बाजपेई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने पुरानी दुश्मनी के चलते फायरिंग करने की बात स्वीकार की है। मामले में एससीध्एसटी एक्ट समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार, 09 मई 2026 की रात करीब 10 बजे सूचना मिली कि मेहंदीगंज इलाके में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बाजारखाला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की गई तथा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। जांच के दौरान हमले में वैभव बाजपेई उर्फ कौस्तुभ बाजपेई की संलिप्तता सामने आई।घटना में घायल की पहचान श्याम चेतन तिवारी पुत्र सुरेश चन्द्र तिवारी निवासी मेहंदीगंज, थाना बाजारखाला के रूप में हुई। चेतन तिवारी को गंभीर हालत में तत्काल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।घायल की पत्नी मानसी तिवारी उर्फ श्वेता ने थाना बाजारखाला में तहरीर देकर मोहल्ले के रहने वाले वैभव बाजपेई उर्फ कौस्तुभ बाजपेई, हर्षित बाजपेई तथा अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाए। तहरीर में कहा गया कि पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग की, घर में घुसकर धमकी दी ।

काकोरी में खुलेआम बिक रही थी अवैध शराब, पुलिस ने दबिश देकर दो तस्करों को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शीतला माता मंदिर के पास खुलेआम अवैध रूप से देशी शराब बेच रहे दो लोगों को पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से 35 पाउच देशी शराब बरामद की गई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 10 मई 2026 को थाना काकोरी में तैनात उपनिरीक्षक अंकित यादव अपनी टीम के साथ क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति, वाहन और अवैध गतिविधियों की निगरानी के साथ शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुर्गागंज चौराहे के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पीआरवी 6378 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि शीतला माता मंदिर, कस्बा काकोरी के पास एक व्यक्ति खुले में अवैध शराब बेच रहा है।सूचना को गंभीरता से लेते हुए उपनिरीक्षक अंकित यादव पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने देशी शराब ठेका हाता हजरत साहब के पास दो व्यक्तियों को अवैध रूप से शराब बेचते हुए देखा। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर दबिश दी और दोनों आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राम कुमार कश्यप पुत्र स्वर्गीय ईश्वरदीन निवासी बरगदतला थाना काकोरी, उम्र करीब 51 वर्ष तथा रवि कुमार रावत पुत्र लालता प्रसाद निवासी शेखसादी मोहल्ला, कस्बा काकोरी, उम्र करीब 25 वर्ष के रूप में हुई है।

शराब ठेके के सेल्समैन की रॉड से पीट-पीटकर हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सुबह शराब ठेके के सेल्समैन की लोहे की रॉड से पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ढेढेमऊ गांव की सुबह करीब 9.00 बजे की है। यहां देशी शराब ठेके पर काम करने वाले सेल्समैन अजय जायसवाल (43) की हत्या की गई है। आरोपियों ने लोहे की रॉड से वार करके वारदात को अंजाम दिया। बीच–बचाव के दौरान एक अन्य युवक भी घायल हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। ग्रामीणों के मुताबिक, देशी शराब ठेका 24 घंटे संचालित किया जा रहा है।

पुलिस मुठभेड़ में 50–50 हजार के इनामी दो बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में सोमवार को सुबह पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस ने 50–50 हजार के इनामी दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। दोनों चोरी के मामले में फरार चल रहे थे। स्वाट, सर्विलांस और अटरिया पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। अटरिया थाना क्षेत्र निवासी पंकज शुक्ला के बंद घर में अप्रैल महीने में चोरी हुई थी। मामले में मोहम्मद फरीद (38) पुत्र सिराज निवासी मोहल्ला सराय बाड़ी, थाना सिधौली, जनपद सीतापुर और बैजनाथ उर्फ धीरज (22) पुत्र छोटे सिंह उर्फ छोटकन्ने निवासी नंदवन, थाना संदना, जनपद सीतापुर का नाम सामने आया था। पुलिस इनकी तलाश में जुटी थी। सोमवार को सुबह अटरिया थाना क्षेत्र के नहर कोठी के पास पुलिस को बिना नंबर की बाइक से दो संदिग्ध आते दिखे। रुकने का इशारा करने पर दोनों ने फायरिंग शुरू कर दी। स्वाट सर्विलांस प्रभारी सत्येंद्र सिंह ने आत्मरक्षार्थ गोली चलाई, जो एक वांछित के पैर में लग गई। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आईजी रेंज लखनऊ ने दोनों पर 50–50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया था। इनके पास से बिना नंबर की बाइक, दो तमंचा, चार खोखा कारतूस, तीन जिंदा कारतूस, आभूषण पीली धातु लगभग 45 ग्राम (कीमत लगभग 7 लाख) और 2700 रुपये नकद बरामद हुए हैं।

शराब पिलाकर चापड़ और ईंट से उतारा मौत के घाट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। मां के प्रेम संबंधों से नाराज एक युवक ने अपने नाबालिग रिश्तेदार के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या की साजिश रच डाली। आरोप है कि दोनों ने युवक को पहले शराब पिलाई और फिर सुनसान स्थान पर चापड़ व ईंट से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद आरोपी खून के दाग धोकर शादी समारोह में शामिल हो गए ताकि किसी को उन पर शक न हो। पुलिस ने घटना का अनावरण करते हुए।

राजधानी में होटलों में ठहर रही मौत, आग के मुहाने पर हैं चारबाग की रेवड़ी मंडी में चल रहे होटल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में चारबाग की रेवड़ी मंडी में करीब दो दर्जन से अधिक ऐसे होटल हैं, जहां अगर एक बार आग लगे तो न जाने कितने लोगों की जान चली जाए। कारण, इन होटलों में प्रवेश का सिर्फ एक ही रास्ते का होना, वेंटिलेशन की व्यवस्था और स्मोक डिटेक्टर का न होना है। रविवार को इन्हीं खामियों के साथ चल रहे पांच होटलों की पड़ताल की गई। रेवड़ी मंडी में घुसते ही बाएं हाथ पर दो मंजिला शरनजीत होटल है। पहली नजर में तो पता ही नहीं चलता कि यह होटल है। मुश्किल से 300 वर्ग फीट में बने इस होटल के बाहर मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है। ठीक इसी के बगल से होटल तक पहुंचने का दो फीट चौड़ा रास्ता है। कमरे इतने छोटे हैं कि इसमें सिर्फ बेड पड़ने की ही जगह बचती है। इतना ही नहीं, होटल के बगल में तारों का मकड़जाल है, जो आग लगने पर घी का काम कर सकता है। होटल शरनजीत से थोड़ा आगे एक ऐसा होटल भी मिला, जो जर्जर हो चुका है। तीन मंजिला इस होटल की दीवार पर बोर्ड की जगह देसी शराब की दुकान लिखा है, जिसे सफेदी से काफी हद तक छिपा दिया गया। तीन फीट चौड़ा एक शटर लगा हुआ है, जहां कर्मचारी बैठा था। होटल के अंदर पहुंचने पर सिर्फ दो फीट चौड़ा गलियारा दिखा। यहां आग से ज्यादा तो इमारत के ढहने का डर बना हुआ है। होटल मनप्रीत का भी कुछ ऐसा ही हाल दिखा। यहां पतली और खड़ी सीढियां थीं, जिनमें रेलिंग नहीं थी। यह होटल भी दोमंजिला है। होटल में कुछ जगहों पर बाल्टी तो बालू भरी टंगी मिलीं। मगर न स्मोक डिटेक्टर लगे थे और न ही कोई वेंटिलेशन की व्यवस्था थी। ऐसे में अगर किसी कमरे में आग लगी तो आग से कम और धुआं भरने पर ज्यादा जनहानि होगी। यही स्थिति होटल शक्ति की भी है। इन सभी होटलों तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि आग लगने पर दमकल की गाड़ियां नहीं पहुंच सकेंगी। होटलों के आसपास कोई फायर हाइड्रेंट भी नहीं लगा है। ग्राहकों के साथ खेल रहे ऐसे सौ होटल के संचालकों को इस वर्ष दमकल ने नोटिस जारी किया है, जबकि गोमतीनगर के सात होटलों के बिजली कनेक्शन भी काटे जा चुके हैं। 60 और होटलों के लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए प्रशासन को पत्र लिखा जा चुका है। अगर किसी होटल में अग्निशमन विभाग के अनुरूप तय मानक पूरे नहीं होते तो संचालकों को नोटिस जारी होता है। 15 दिन का समय मानकों और व्यवस्थाओं को पूरा करने के लिए दिया जाता है। अगर इस पर व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुईं तो दमकल विभाग दोबारा नोटिस जारी करता है। इसका भी जवाब नहीं देने पर लाइसेंस निरस्त करने के लिए प्रशासन से संस्तुति की जाती है।

श्री बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मण्डल चुनाव सम्पन्न, पिन्टू गुप्ता अध्यक्ष और अखिलेश यादव वरिष्ठ महामंत्री निर्वाचित

लखनऊ, (संवाददाता)। श्री बुद्धेश्वर उद्योग व्यापार मण्डल के चुनाव रविवार को उत्साह, भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गए। सुबह 10 बजे से शुरू हुए मतदान में व्यापारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और संगठन के नए नेतृत्व के चयन में सक्रिय भागीदारी निभाई। मतदान के बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए गए, जिसमें अध्यक्ष पद पर पिन्टू गुप्ता और वरिष्ठ महामंत्री पद पर अखिलेश यादव विजयी घोषित किए गए।व्यापार मण्डल चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए पिन्टू गुप्ता और सुजीत कुमार गौतम के बीच सीधा मुकाबला हुआ। मतगणना के बाद पिन्टू गुप्ता ने 304 मतों के अंतर से जीत दर्ज करते हुए अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। वहीं वरिष्ठ महामंत्री पद के चुनाव में अखिलेश यादव ने अपने प्रतिद्वंद्वी रविन्द्र शर्मा को 314 मतों से पराजित कर विजय हासिल की।चुनाव अधिकारी रासिद अली एवं रामशंकर राजपूत ने बताया कि

चुनाव को लेकर व्यापारियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरी चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान व्यापारियों ने लोकतांत्रिक परंपरा का सम्मान करते हुए बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।नामांकन पत्रों की जांच के बाद कई पदों पर निर्विरोध निर्वाचन भी घोषित किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप कुमार, राजू शुक्ला और शिव कुमार यादव निर्विरोध चुने गए। उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक जय गुप्ता, विमर्श गुप्ता और राजकुमार रावत निर्विरोध निर्वाचित हुए। कोषाध्यक्ष पद पर रवीश, मंत्री पद पर प्रियांशु गुप्ता तथा संगठन मंत्री पद पर अर्नव तिवारी को निर्विरोध चुना गया। इसके अतिरिक्त राजेंद्र रावत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।परिणाम घोषित करते हुए।

आलू किसानों को मिलेगी राहत, बोआई से पहले होगा आकलन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आलू किसानों की बदहाली दूर होगी। अन्य राज्यों से संपर्क करके वहां आलू भेजने की तैयारी चल रही है। अगले सीजन में बोआई के वक्त ही खपत की रणनीति बनाई जाएगी। इसमें कृषि, उद्यान, विपणन और प्रसंस्करण विभाग मिलकर कार्य करेंगे। आलू उत्पादन के मामले में देशभर में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। यहां इस वर्ष 246 लाख मीट्रिक टन आलू पैदा हुआ है। आलू बेल्ट के रूप में पहचाने जाने वाले फर्रुखाबाद, कन्नौज, फिरोजाबाद, आगरा सहित आसपास के जिलों में कोल्ड स्टोर भरने से किसानों के खेत में ढेर लगे हैं। किसानों की फजीहत को देखते हुए उद्यान विभाग अलग– अलग

राज्यों से संपर्क में जुट गया हैं। जिन राज्यों में कम आलू उत्पादन होता है, वहां यूपी का आलू भेजने की तैयारी है। इसमें राजस्थान, हरियाणा, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, दादरा नगर हवेली, दमन दीव आदि हैं। इसी तरह नेपाल में ज्यादा से ज्यादा आलू का निर्यात करने के साथ ही श्रीलंका को भी आलू भेजा जाएगा। अब अगले वर्ष के लिए आलू से जुड़े सभी विभागों को मिलाकर अभी से संयुक्त कार्ययोजना बनाई जाएगी। इसमें कृषि अनुसंधान परिषद और आगरा में खुल रहे इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर के क्षेत्रीय केंद्र से भी मदद ली जाएगी। दो दिन पहले लखनऊ आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और विभागीय अधिकारियों के साथ ही बैठक में यह सुझाव दिया है। निदेशक उद्यान बीपी राम ने बताया कि कुछ व्यापारी नेपाल आलू भेज रहे हैं। श्रीलंका और खाड़ी देशों में भी संभावना देखी जा रही है। व्यापारियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। अगले वर्ष यह नौबत न आए, इसके लिए भी अभी से तैयारी की जा रही है।

महापौर सुषमा खर्कवाल बोलीं स्वच्छ और हरित लखनऊ के निर्माण में नागरिक निभाएं भागीदारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक और महत्वपूर्ण पहल की है। रविवार को राजाजीपुरम क्षेत्र में आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकिल) सेंटर का उद्घाटन महापौर सुषमा खर्कवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। नगर निगम की इस पहल को पर्यावरण संरक्षण और प्रभावी कचरा प्रबंधन की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।उद्घाटन अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि आरआरआर सेंटर का उद्देश्य केवल कचरा प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और पुनर्चक्रण के प्रति जागरूक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के दौर में "रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल" की अवधारणा को अपनाना समय की आवश्यकता बन चुकी है।महापौर ने कहा कि यह केंद्र लोगों को घरेलू एवं उपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के लिए प्रेरित करेगा, जिससे अनावश्यक कचरे में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम लखनऊ लगातार शहर को स्वच्छ और हरित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं और अभियानों को संचालित कर रहा है तथा आरआरआर सेंटर उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सहभागिता से ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य एवं पार्षद गौरी सांवरिया ने नगर निगम की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आरआरआर सेंटर क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।इस अवसर पर पूर्व पार्षद शिवपाल सांवरिया, सेंट जोसेफ स्कूल के मैनेजर अनिल अग्रवाल, भाजपा नेता एसपी तिवारी "बाबा", राजेश राज, कार्यक्रम का संचालन कर रहे ।

साइबर सेल की बड़ी कामयाबी 125 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद, मालिकों को लौटाए

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी जौनपुर की साइबर क्राइम सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 125 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस सौंप दिए। मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित कार्यक्रम में एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने मोबाइल धारकों को उनके फोन सौंपे। बरामद किए गए मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है।इस मामले में जानकारी देते हुए एसपी सिटी ने बताया कि साइबर क्राइम टीम ने सीईआईआर पोर्टल की सहायता से इन मोबाइल फोनों को ट्रेस कर बरामद किया। उन्होंने कहा कि जिले में अब तक कुल 1640 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए जा चुके हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ 28 लाख रुपये है। बरामद किए गए मोबाइल फोन जौनपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अलावा उत्तर प्रदेश के कई जनपदों जैसे आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़ और भदोही से प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और राजस्थान जैसे अन्य राज्यों से भी मोबाइल बरामद किए गए हैं। मोबाइल कंपनियों में मुख्य रूप से वन प्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया और सैमसंग के फोन शामिल रहे। इस दौरान एसपी सिटी ने लोगों से अपील की कि मोबाइल फोन गुम होने पर तुरंत संबंधित थाने में गुमशुदगी दर्ज कराएं तथा सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत करें। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता और सतर्कता सबसे प्रभावी उपाय हैं। साथ ही किसी भी साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पौष्टिक आहार किट वितरित, जागरूकता पर दिया गया जोर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सरजू प्रसाद शैक्षिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के तत्वावधान में मंगलवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार किट वितरित की गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता के साथ टीबी मरीजों को उपचार के प्रति प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सुशील कुमार अग्रहरी ने पौष्टिक आहार किट वितरण के मेडिकल और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए टीबी मरीजों को "गोद लेने" की प्रक्रिया एवं उसके उद्देश्य को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ही टीबी उन्मूलन का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा सकता है। एसटीएलएस राजीव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि टीबी मरीजों को अपना इलाज बीच में नहीं छोड़ना चाहिए और डीआर–टीबी मरीजों के परिवार के सदस्यों में लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच करानी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य डॉ. सुभाष सिंह ने टीबी के प्रमुख लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि दो सप्ताह से अधिक खांसी, लगातार बुखार, बलगम में खून आना, वजन घटना, भूख कम लगना और रात में पसीना आना टीबी के लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जांच नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर निशुल्क कराई जा सकती है। संस्था अध्यक्ष एवं प्रधान अध्यापक प्रमोद कुमार प्रजापति ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि टीबी हवा के माध्यम से फैलने वाली बीमारी है। फेफड़ों की टीबी से पीड़ित व्यक्ति के खांसने या थूकने से जीवाणु हवा में फैलकर अन्य लोगों को संक्रमित कर सकते हैं। इस अवसर पर नवीन सिंह, प्रदीप सिंह, सोमरू राम प्रजापति, ठाकुर प्रसाद राय, सागर श्रीवास्तव, अतुल, धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव, बबलू अमन श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में पूर्व अध्यक्ष बाल न्यायालय संजय उपाध्याय ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिला आरक्षण विरोध को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन दूसरे दिन जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में संसद में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक के विरोध को लेकर मंगलवार को भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोहिया पार्क परिसर में आयोजित प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा और समाजवादी पार्टी के विरोध में नारेबाजी की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रागिनी सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध कर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने अपनी महिला विरोधी मानसिकता को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी आगामी चुनावों में इसका जवाब देगी और इसका असर वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। जिला मंत्री अंशु कुशवाहा ने कहा कि केंद्र सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से महिलाओं को उनका अधिकार और सम्मान देने का कार्य कर रही है। वहीं विपक्षी दल महिलाओं के अधिकारों का विरोध कर रहे हैं। नीलम अग्रहरि ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाना चाहते थे, लेकिन विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि इसी विरोध के चलते महिला कार्यकर्ता धरना–प्रदर्शन कर रही हैं। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे गांव–गांव जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों और सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक करेंगी। इस अवसर पर विमला श्रीवास्तव, मिलन श्रीवास्तव, राखी सिंह, सुशीला सिंह, निशी सोनकर, पूनम, पूजा, शांति, मीता, मंगला, आशा, सुमन, सुभाना, लीलावती, विमला विंद, विमला मौर्य और रूपा अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

बिना परमिट चल रही 4 स्कूली बसें सीज, 9 वाहनों का चालान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को विशेष अभियान चलाया। परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देश पर एआरटीओ (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में यात्रीध्मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार द्वारा जिले में स्कूली वाहनों की जांच की गई। अभियान के दौरान कई स्कूल बसों के परमिट, फिटनेस और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में अनियमितता पाए जाने पर बिना परमिट संचालित 4 स्कूली वाहनों को सीज कर थाने में खड़ा कराया गया, जबकि 9 अन्य वाहनों का चालान किया गया।

परिवहन विभाग ने जिले के सभी विद्यालय प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और वाहन स्वामियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिन स्कूल वाहनों का परमिट समाप्त हो चुका है या बिना परमिट वाहन संचालित किए जा रहे हैं, वे तत्काल परमिट का नवीनीकरण कराएं अथवा नया परमिट बनवाएं। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि भविष्य में बिना परमिट या नियमों के विरुद्ध संचालित मिलने वाले वाहनों के खिलाफ चालान और निरुद्धीकरण की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

चिरंजीव नर्सिंग इंस्टिट्यूट में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय उपचर्या दिवस

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।शहर के नाका स्थित चिरंजीव नर्सिंग इंस्टिट्यूट मे अन्तर्राष्ट्रीय उपचर्या दिवस मनाया गया।जिसका शुभारम्भ इंस्टीट्यूट के फाउण्डर चेयरमैन डॉ० उमेश चौधरी व निदेशिका डॉ० जयन्ती चौधरी ने "लेडी विद द लैंप" फ्लोरेंस नाइटेंगल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।इस मौके पर इंस्टीट्यूट के जी.एन.एम. एवं ए.एन.एम. की छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए साथ ही नर्सेज डे पर अपने अपने विचार व्यक्त किए।इंटरनेशनल नर्सेज डे हर वर्ष फ्लोरेंस नाइटेंगल के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है ऐसे में उनकी याद में हर साल इस दिन को मनाया जाता है।फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक नर्स थीं। जिन्होंने क्रीमियन युद्ध के दौरान उनका काम काफी सराहनीय था। उन्हें द लेडी विद द लैंप के नाम से भी जाता है, क्योंकि वह घायलों के इलाज के लिए पूरी रात घूमती थीं।फ्लोरेंस नाइटिंगेल को दुनिया की पहली नर्स कहा जाता है। उन्होंने नर्सिंग को एक पेशे के रूप में स्थापित किया था।यही वजह है कि उनके जन्मदिन को अंतरराष्ट्रीय नर्सेज डे के रूप में मनाया जाता है । इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस 2026 की थीम ष्हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैंष तय की गई है।नर्सिंग इंस्टिट्यूट के चेयरमैन डॉ० उमेश चौधरी ने नर्सिंग की छात्राओं को फ्लोरेंस नाइटेंगल के जीवन की उपलब्धियों से प्रेरणा लेते हुए मरीजों की स्वास्थ्य सम्बन्धी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया, वहीं इंस्टिट्यूट की निदेशिका डॉ० जयन्ती चौधरी ने अपने सम्बोधन में नर्सिंग की छात्राओं को कर्त्तव्य निष्ठा, ईमानदारी, मेहनत व अच्छे ज्ञानोपार्जन के लिए प्रेरित किया । इस अवसर पर इंस्टिट्यूट के प्रबन्धक के.पी. मिश्रा, प्रधानाचार्य डॉव विशाल अल्वर्ट, उप–प्रधानाचार्या रिंकी शुक्ला, शिवम,विजेंद्र प्रताप सहित सभी डॉक्टर, नर्सिंग ट्यूटर, नर्स, पैरामेडिकल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रदेश में बीज व्यवसाय को पारदर्शी, डिजिटल एवं बीज ट्रेसिविलिटी किए जाने हेतु साथी पोर्टल शुरु - ओपी मिश्र

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिला कृषि अधिकारी मिश्र ने बताया कि जनपद में कृषको को उच्च गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता के साथ–साथ बीज व्यवसाय को डिजिटल, पारदर्शी एवं बीज व्यवसाय की ट्रेसिविलिटी किये जाने हेतु समस्त बीज वितरक/उत्पादक संस्थाओं/कम्पनियों/फर्मों/सहकारी विकी केन्द्रो/राजकीय विकी केन्द्रो द्वारा प्रदेश में बीज उत्पादन/स्टाक मैनेजमेन्ट/स्थानान्तरण/बीज व्यवसाय/बीजों की विकी 10 मई 2026 से भारत सरकार द्वारा विकसित किये गये साथी पोर्टल के माध्यम से किये जाने के दृष्टिगत प्रदेश में साथी पोर्टल के सुगम संचालन हेतु दिशा–निर्देश निर्गत किये गये है।उन्होंने बताया कि प्रदेश के अभिजनक बीज उत्पादन करने वाले सभी कृषि विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं द्वारा साथी पोर्टल के माध्यम से अभिजनक बीज का उत्पादन एवं विक्रय किया जायेगा।प्रदेश में विभिन्न बीज उत्पादक संस्थाओं–यथा कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, उद्यान विभाग उ०प्र० बीज विकास निगम इत्यादि के द्वारा साथी पोर्टल के माध्यम से अभिजनक बीजों की माँग भारत सरकार को प्रेषित किया जायेगा। प्रदेश के समस्त बीज उत्पादक सरकारी/अर्द्ध सरकारी संस्थाए/संस्थानधनिगम, निजी फर्म/निजी कम्पनिया/एफ.पी.ओ द्वारा साथी पोर्टल के माध्यम से उ०प्र० राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था में

बीजोत्पादन का पंजीयन कराकर समस्त फसलों के बीजों का उत्पादन का कार्य किया जायेगा, जिन्हें बीज उत्पादन एजेंसी (एस.पी.ए.) कहा जायेगा। उ०प्र० राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा साथी पोर्टल के माध्यम से बीज उत्पादन एजेंसी (एस.पी.ए.) का फसल पंजीयन क्षेत्र निरीक्षण, निरीक्षण रिपोर्ट को डिजिटल रूप से रिकार्ड करना, बीज वर्ग और स्रोत सत्यापन प्रमाणन प्रक्रियाओं को मंजूरी, सैम्पलिंग, बीज परीक्षण रिपोर्ट, टंग और प्रमाण–पत्र जारी करना, साथ ही प्रमाणक मानकों का अनुपालन करना सुनिश्चित किया जायेगा।बीज विधायन संयंत्र पर बीज की आवक प्रसंस्करण, पैकिंग और लाट निर्माण का रिकार्ड नमूना ग्रहण की कार्यवाही साथी पोर्टल के माध्यम से की जायेगी, इसके साथ ही भौतिक रूप से प्रसंस्करण रजिस्टर भी रखेंगे। बीज उत्पादन एजेंसी (एस.पी.ए) द्वारा सभी स्टाक हस्तांतरण/विकी एवं वापसी साथी पोर्टल के माध्यम से की जायेगी, जो डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर साथी पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हो, के साथ किसी प्रकार का बीज विकी/व्यवसाय नहीं करेगें। प्रदेश के सभी डीलर/डिस्ट्रीब्यूटर/बीज व्यवसाई / सहकारी/सरकारी बीज विकी केन्द्र साथी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत होंगे तथा साथी पोर्टल पर डिजिटल रूप से स्टाक प्राप्त करना, विकी (किसान स्तर के लेन देन सहित) बीज वापसी का रिकार्ड रखेगे। साथी पोर्टल पर प्रदर्शित स्टाक तथा प्रतिष्ठान में भौतिक रूप से उपलब्ध स्टाक में भिन्नता होने पर बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968, बीज नियन्त्रण आदेश 1983 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। टूथफुल (टी.एल. सीड) बीज स्टाक मैनेजमेन्ट/स्थानान्तरण/ बीज व्यवसायः बीजों की विकी भी साथी पोर्टल के रैपिड मॉड्यूल/होलिस्टिक मॉड्यूल के माध्यम से किया जायेगा। प्रदेश की समस्त बीज परीक्षण प्रयोगशालाये साथी पोर्टल पर पंजीकृत होगी। कृषि विभाग एवं बीज व्यवसाय से संबद्ध संस्थाओं/फर्मों द्वारा जनपद के समस्त कृषकों को साथी पोर्टल से बीज प्राप्त किये जाने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया जायेगा।जिला कृषि अधिकारी ने सभी बीज उत्पादक/ वितरक, सरकारी/अर्द्ध सरकारी संस्थाए/संस्थान/निगम्/निजी फर्म/ निजी कम्पनियां/ एफ.पी.ओ. से अपील कि है वह तत्काल साथी पोर्टल पर पंजीकृत पोर्टल के माध्यम से ही बीज का उत्पादन/व्यवसाय करना सुनिश्चित करें, अन्यथा इसका उलंघ्घन करने पर बीज नियन्त्रण आदेश 1983 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

प्रवर अधीक्षक डाकखाना पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

अयोध्या।शहर के प्रवर अधीक्षक डाकखाना कार्यालय पर दूसरे ज्येष्ठ बड़े मंगलवार पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।भंडारे का शुभारंभ प्रवर अधीक्षक डाकघर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बजरंगबली के चित्र पर दीप प्रज्वलित तथा माल्यार्पण कर किया।इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा।यहां पर आयोजित भंडारा दोपहर से प्रारंभ हुआ।जो देर शाम तक चला।भंडारे मे बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों,महिलाओं, सहित अन्य श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ दिखाई दी।इस मौके पर ओमेश्वर,मनोज कुमार सहायक अधीक्षक,हरि मोहन निरीक्षक, भीम प्रसाद के अलावा सत्येंद्र प्रताप सिंह, स्नेहा गुप्ता,पंकज सिंह, अर्चना,जयशंकर प्रसाद वर्मा,अनामिका, राघवेंद्र सिंह, चंद्रेश,ज्योतिरादित्य सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

खाद्य विभाग के शिथिलता के चलते होटल व रेस्टोरेंट पर परोसा जा रहा संक्रमण युक्त खाद्य पदार्थ

अयोध्या। खाद्य विभाग के शिथिलता के चलते शहर मे इस समय कई जगहों पर स्थित होटल व रेस्टोरेंट पर संचालको द्वारा ग्राहकों को खुले रुप से संक्रमण खाद्य पदार्थ परोसा कर इस भीषण गर्मी मे उनके सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।देखा जाय तो यहाँ पर संचालित इन होटलों तथा रेस्टोरेंटों के अलावा शहर के विभिन्न चौराहा तथा इलाकों में ठेलो व मिठाइयों की अन्य दुकानों पर सड़े गले तथा खुला खाद्य पदार्थ दिखाई दे रहे हैं।खाद्य विभाग केवल त्योहारों पर ही कागजी कोरम पूरा करता है।बताते चलें कि शहर के रिकाबगंज,सिविल लाइन, राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के आसपास, हनुमानगढी, देवकाली बाईपास, देवकाली,चौक,रीडगंज, बेनीगंज, रोडवेज, नियावा, गुदडी बाजार,वजीरगंज,फतेहगंज के अलावा कई जगहों पर संक्रमण युक्त तथा खुले रूप से सड़े गले खाद्य पदार्थ राम मंदिर दर्शन पूजन करने आने वाले दूर दराज से श्रद्धालुओं व अन्य ग्राहकों को परोसकर उनके सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। जिसके चलते इस भीषण गर्मी में इन सड़े गले खाद्य पदार्थों का सेवन करने से आए दिन श्रद्धालु तथा अन्य ग्राहक कई संक्रामक रोगों से ग्रसित हो रहे हैं।परंतु इस गंभीर समस्या पर खाद्य विभाग के अधिकारी तथा उनके कर्मचारी की लापरवाही साफ–साफ दिखाई दे रही है।क्योंकि इस विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी किसी पर्व के दौरान ही सक्रिय होते हैं।उसके बाद फिर शिथिलता बरतने लगते हैं जिसके चलते इस भीषण गर्मी में भी होटल रेस्टोरेंट के साथ साथ शहर के विभिन्न चौराहों पर स्थित ठेलो व अन्य प्रतिष्ठानों पर खुले तथा सड़े गले खाद्य पदार्थ बिना किसी खौफ के बिक रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने किया तीन वाहनों को आग के हवाले

अयोध्या। सोमवार की देर रात कोतवाली नगर क्षेत्र के धारा रोड स्थित दिलकुशा कालोनी मे संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति ने तीन वाहनों में आग लगा दिया।जिसके चलते देखते ही देखते उक्त तीनों वाहन धूं धूं करते जलने लगे और आसपास के इलाकों में हड़कंप बच गया।जले वाहनों में बाइक,कार व स्कूटी शामिल रही।जिसमें कार तथा बाइक पूरी तरह जल गई।पुलिस के मुताबिक युवक ने मोहल्ले में तीन गाड़ियों में आग लगाई।पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत लेकर पूछताछ कर रही है।घटना की सूचना मिलते ही सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी सहित अन्य पुलिस कर्मी पहुंचे।

जिला महिला चिकित्सालय मे मना नर्स दिवस

अयोध्या।जिला महिला चिकिसालय मे नर्स दिवस मनाया गया।इस मौके पर नर्स पूनम गुप्ता ने बताया कि हम सभी को मानवता कि सेवा करते रहना चाहिए मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि प्रमुख चिकित्सा अधीक्षिका डॉ विभा कुमारी,डॉ आशाराम, डॉ प्रभात गुप्ता ने संयुक्त रूप से सभी स्टॉफ नर्सो को बधाई दिया।इस अवसर पर पूनम गुप्ता, गीता चौधरी, संहेलाता, नीलू चौधरी, अनीता मिश्रा, किरन मिश्रा आदि स्टॉफ नर्स व कर्मचारी उपस्थित रहीं।कार्यक्रम के दौरान हुई प्रतियोगिता मे विजयी नर्सो को उपहार भी भेट किये गए।

गोरखपुर लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ भीषण सड़क हादसे मे एक की मौत,तीन गंभीर रूप से घायल

अयोध्या। मंगलवार की सुबह कैंट थाना क्षेत्र में सहादतगंज स्थित गोरखपुर लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नगर निगम सफाई वहां तथा तीव्र गति से आ रही टक्कर में जोरदार टक्कर हो गई।इस हादसे में नगर निगम के सफाई वाहन सवार दो कर्मचारी और ट्रक मे सवार कुल चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी हादसे की सूचना पाते ही सहादतगंज चौकी प्रभारी ने अन्य पुलिस कर्मियों की मदद से गंभीरावस्था में गंभीर रूप से घायल सभी घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां पर नगर निगम की गाड़ी में मौजूद 40 वर्षीय युवक अजय कुमार पुत्र बिलासी निवासी निजरा गोकुलपुर सिकंदरा रावत जिला हाथरस के इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।वही दूसरे अन्य गंभीर रूप से घायल बृजेश सिंह को लखनऊ उचित इलाज के लिए रेफर किया गया है।वही ट्रक पर सवार ड्राइवर पुष्पेंद्र पुत्र सतपाल निवासी छिछोरे थाना धोलका जिला कासगंज एवं क्लीनर रंजीत पुत्र सुनील कुमार निवासी छिछोरे ढोलना जिला कासगंज भी दुर्घटना में चोटिल हो गए थे।इन्हें भी उचित इलाज के लिए जिला अस्पताल अयोध्या से लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। इस हादसे के चलते कुछ देर तक हाईवे पर लंबा जाम लग गया।थोड़ी देर बाद कैंट पुलिस द्वारा राजमार्ग से दोनों ट्रको को क्रेन की सहायता से हटवा गया और आवागमन सामान्य कर दिया गया है।घटना की सूचना प्रकार घटनास्थल पर सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कैंट संजीव सिंह अन्य पुलिस कर्मियों के साथ पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गए।

गणेश चौक पर डायवर्जन खत्म, गोलघर में बढ़ेगी ग्राहकों की आवाजाही

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के गोलघर में ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए किए जा रहे प्रयोग को खत्म कर दिया गया है। व्यापारियों के विरोध के बाद गणेश चौक के पास डायवर्जन को खत्म कर दिया गया है। अब पहले की तरह चौराहे पर यातायात संचालित हो रहा है। इसके साथ ही बलदेव प्लाजा के पास रात में नई सफेद पट्टी भी बना दी गई है। दरअसल, प्रधान डाकघर की तरफ से विजय चौक एवं काली मंदिर तिराहा की ओर जाने वाले वाहनों को गणेश चौराहा से बाएं मुड़कर मल्टीलेवल पार्किंग

गेट के सामने से यू–टर्न लेकर अपने गंतव्य की ओर जाने की व्यवस्था थी। वहीं, विजय चौक से कचहरी चौराहा की ओर जाने वाले वाहन काली मंदिर तिराहा से यू–टर्न लेकर वाया गणेश चौराहा होकर आगे बढ़ाया जा रहा था। इस व्यवस्था को ट्रायल के तौर पर लागू किया गया था लेकिन इससे जाम और बढ़ गया था। व्यापारियों का कहना है कि इस व्यवस्था से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा था। व्यापारियों ने विरोध किया जिसके बाद इसे खत्म कर दिया गया। वहीं, शनिवार रात बलदेव प्लाजा के सामने सफेद पट्टी के पास गाड़ी उठाने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद देर रात नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी में बलदेव प्लाजा के सामने नई सफेद पट्टी बना दी गई है। इसके अंदर खड़े वाहनों को नगर निगम की टीम नहीं उठाएगी। एसपी ट्रैफिक अमित श्रीवास्तव ने बताया कि व्यापारियों की मांग सुनी गई है। चौराहे पर ट्रायल के तौर पर लागू व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है।

कैंट रेलवे स्टेशन स्वचालित सीढ़ी बंद होने के चलते रेल यात्री परेशान

अयोध्या। कैंट रेलवे स्टेशन पर स्वचालित सीढी काफी दिनों से बंद पड़ी है।जिसके चलते सबसे अधिक परेशानी इधर से आने जाने वाले पूर्ण रेल यात्रियों को होती है।जो ट्रेन पकड़ने के लिए प्लेटफार्म नंबर दो या तीन का सहारा लेते हैं।इसके बंद होने से सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों,मरीजों तथा दिव्यांग रेल यात्रियों को हो रही है। क्योंकि हल्के से बारिश के दौरान बीच–बीच में प्लेटफार्म नंबर 1 से प्लेटफार्म नंबर 2 या 3 को जाने वाले सब–वे मार्ग पर पानी भर जाता है।जिसके चलते में रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कैंट रेलवे स्टेशन पर अवस्थाओं का बोलबाला है।देखा जाए तो यहां से मुंबई के लिए जाने वाली ट्रेने प्लेटफार्म नंबर 2 व 3 से ही होकर जाती हैं।जिसके चलते इस ट्रेन से मुंबई या उसे रूट को जाने वाले खासकर बुजुर्गों,दिव्यांगों, मरीजों, को स्वचालित सीढ़ी ना चलने के चलते काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इसी तरह इसका जीता जागता उदाहरण मंगलवार को दिखाई दिया।जब भारत गौरव ट्रेन से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।तीन यात्रियों ने बताया कि इस रेलवे स्टेशन पर सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है।

राम नगरी मे पांच सितारा होटल को फोरलेन का निर्माण शुरु

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। एनएच 27 से बनवीरपुर जाने वाले ग्रामीण मार्ग का निर्माण फोरलेन में शुरू हो गया है।सआदतगंज बाईपास से एक किलोमीटर आगे राजकीय महिला पॉलिटेक्निक से बनवीरपुर जाने वाला मार्ग है।राजकीय पालीटेक्निक महिला पॉलिटेक्निक की बाउंड्री जहां खत्म होती है।उसी के बाद यह पांच सितारा होटल निर्माणाधीन है।उसी के निर्माण से पहले 700 मीटर लंबा यह फोरलेन तैयार हो जाएगा जो एनएच 27 लखनऊ से जुड़ा होगा। पवन सितारा होटल के निर्माण से पहले लखनऊ हाईवे से उसके लिए चार अंडर पास बने हैं।पहले चरण में बनवीरपुर रेल क्रासिंग तक निर्माण होना है।दूसरे चरण में इस रिंग रोड से बनवीरपुर जगदीशपुर वाया गोपालपुर जोड़ा जाना है।लोक निर्माण विभाग का प्रांतीय खंड का इसकी कार्यदाई संस्था है।फोरलेन की डिजाइनिंग इस ढंग से की गई है कि दोनों चरण के निर्माण से यह लखनऊ हाईवे रायबरेली हाईवे ही नहीं प्रयागराज,अंबेडकर नगर व गोरखपुर हाईवे पर शहर के बाहर बाहर पहुंच आसान हो जाएगी।

दीपांजलि राष्ट्रीय अंडर–11 बालिका शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयनित

गोरखपुर, (संवाददाता)। सीतापुर में आठ व नौ मई को आयोजित यूपी स्टेट अंडर–11 बालिका शतरंज प्रतियोगिता में गोरखपुर की दीपांजलि श्रीवास्तव शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनी हैं। पांच अंक अर्जित कर उन्होंने कर्नाटक में दो से आठ अगस्त तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय अंडर–11 बालिका शतरंज प्रतियोगिता के लिए अपना चयन सुनिश्चित कर लिया है। गोरखपुर जिला शतरंज संघ के सचिव जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान दीपांजलि ने इशिता पपनाई, यशिका, अनुप्रिया यादव व इनाया आजम को पराजित कर पूरे अंक प्राप्त किए, जबकि निहारा मित्तल और संस्कृति यादव के साथ मुकाबला ड्रॉ रहा। मिथिलेश श्रीवास्तव, नितेश श्रीवास्तव, कनक हरि अग्रवाल, मांधाता सिंह व विनय जायसवाल आदि ने बधाई दी है।

टी सवार बदमाशों ने युवक से मोबाइल लूटा

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर थाना क्षेत्र के जंगल तिनकोनिया नंबर एक स्थित विश्वनाथपुरम कॉलोनी में रविवार सुबह स्कूटी सवार दो बदमाशों ने एक युवक से मोबाइल फोन लूट लिया और भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, विश्वनाथपुरम कॉलोनी निवासी साहिल कुमार रविवार सुबह करीब सात बजे अपनी मां राजकुमारी देवी को साइकिल से पादरी बाजार चौराहे तक छोड़ने गए थे। उनकी मां खजांची चौराहा स्थित एक अस्पताल में काम करती हैं। मां को छोड़कर लौटते समय साहिल अंबेडकरनगर कॉलोनी के पास पहुंचे थे, तभी स्कूटी सवार दो युवक उनके पास आए और फोन करने के लिए मोबाइल मांगा। साहिल ने बताया कि उन्होंने कहा कि मोबाइल में बैलेंस नहीं है। इसी दौरान स्कूटी पर पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया और दोनों बदमाश मुर्गी फार्म की तरफ भाग गए। युवक के शोर मचाने पर आसपास के लोग जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। पीड़ित ने बताया कि मोबाइल उसने लोन पर खरीदा था और दुकान पर काम कर पढ़ाई करता है। घर पहुंचकर दूसरे मोबाइल से कॉल करने पर फोन नहीं उठा। बाद में व्हाट्सएप ऑनलाइन दिखने पर उसने बदमाशों से मोबाइल लौटाने की गुहार लगाई लेकिन जवाब में गाली दी गई और मोबाइल का लॉक पूछने लगे। थानाध्यक्ष राकेश रोशन सिंह ने बताया कि पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

15 मई को मंझनपुर मिल्कीपुर में होगी किसान महापंचायत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। चौरासी कोसी परिक्रमा में जा रही किसानों की जमीनों के मुआवजा न मिलने,दबंगो के दबाव में गजट के विपरीत सड़क खिसकाने के विरोध में ग्राम मंझनपुर मिल्कीपुर में भारतीय किसान यूनियन द्वारा चलाए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने पर 15 मई को किसान महापंचायत का आयोजन किया गया है।किसान महापंचायत में चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि को जल, जंगल,जमीन,पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाएगा।किसान महापंचायत हेतु अरुकुना बाजार में आयोजित किसान पंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत जी की पुण्यतिथि

जल,जंगल, जमीन,पर्यावरण बचाने के उद्देश्य से मनाया जाना है जनपद अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के नाम पर किसानों की जमीन जबरदस्ती लेना मुआवजा भी ना देना बहुत बड़ा अन्याय है जिसके विरोध में किसान महापंचायत की जाएगी जनपद के सभी ब्लाकों,तहसीलों से भारी संख्या में किस ग्राम मंझनपुर पहुंचेंगे।किसान नेट फरीद अहमद ब्लॉक अध्यक्ष सोहावल प्रेम शंकर वर्मा ने कहा कि सोहावल ब्लॉक से भारी संख्या में कार्यकर्ता किसान किसान महापंचायत मंझनपुर में पहुंचेंगे।पंचायत को विकास वर्मा जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, विवेक पटेल, संजय वर्मा, राम नेवल, काशीराम,श्री राम, गोल्डी कुमारी आदि लोगों ने संबोधित किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।